ऑनलाइन हिंदी शिक्षण
में
नवाचार व प्रयोग

प्रज्ञा पूर्णेंदु
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका – हिंदी
केंद्रीय विद्‍यालय ओ. ई. एॅफ़. कानपुर- उ.प्र.

मुख्य बिंदु

1. ऑनलाइन शिक्षण की चुनौतियाँ
2. समाधान
3. नवोन्मेष
4. प्रतिपुष्टि

प्रज्ञा पूर्णेंदु
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका – हिंदी
केंद्रीय विद्यालय ओ. ई. ऍफ़. कानपुर- उ.प्र.

भूमिका

शिक्षा समाजीकरण की एक प्रक्रिया है| जब जब समाज का स्वरुप बदला शिक्षा के स्वरुप में भी परिवर्तन की बात हुई| आज कोरोना संकट के दौर में ऑनलाइन शिक्षा के जरिये शिक्षा के स्वरुप में भी बदलाव देखने को मिल रहा है|

इस कोरोना संकट में जब छात्र अपने को विद्यालय पहुँचने में असमर्थ पता है तो हम शिक्षको ने शिक्षा को छात्रों के घर तक पहुँचाने का निर्णय लिया| ये कार्य इतना आसन नहीं था| हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा||

चुनौतियाँ

- कोरोना संक्रमण की वजह से हुए LOCKDOWN के कारण से छात्रों का विद्यालय पहुँचना असंभव था|
- सभी छात्रों के पास संसाधन उपलब्ध नहीं थे| किसी के पास स्मार्ट फ़ोन, किसी के पास PC और कही कही नेटवर्क की समस्याएं थीं|
- छात्रों को Google Meet, SKYPE जैसे कांफ्रेंसिंग APPLICATION का इस्तेमाल नहीं आता था|
- ऑनलाइन क्लास को रुचिकर बनाना भी एक चुनौती था|

123RF

समाधान

- छात्रों को ऑनलाइन हिन्दीं कक्षाओं से जोड़ा गया|
- जिन छात्रों के पास ऑनलाइन कक्षाओं से जुड़ने के लिए संसाधनों की कमी थी| उन्हें नजदीकी सहपाठियो के साथ मिलजुल कर पढ़ने के लिए प्रेरित किया गया|
- अभिवावकों से समय समय पर कॉल कर बच्चों को ऑनलाइन कक्षाओं में लाने का अनुरोध एवं उनकी समस्याओ पर गौर कर समाधान किया गया | जिसके परिणाम स्वरुप बच्चों की उपस्थिति में वृद्धि हुई|

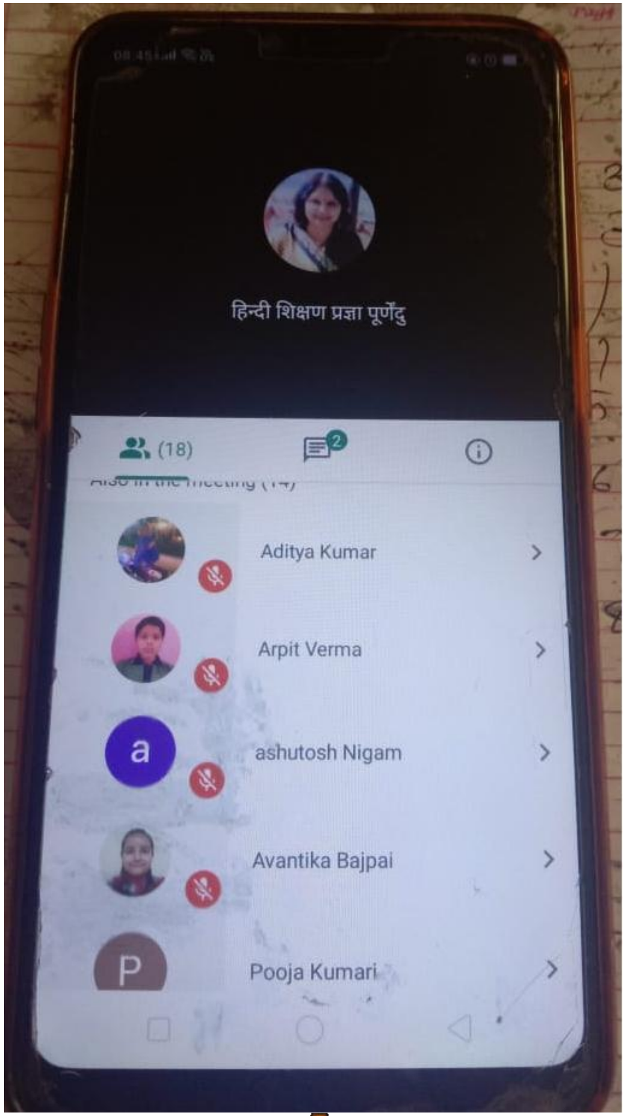
हिन्दी शिक्षण प्रज्ञा पूर्णेंदु
(18)
2
Aditya Kumar
Arpit Verma
a
ashutosh Nigam
Avantika Bajpai
P
Pooja Kumari

video-1597950325.mp4

ऑनलाइन हिंदी शिक्षण में नवोन्मेष

- Youtube पर शैक्षिक सामग्री दी गई :- बच्चों के पास संसाधनों की कमी को देखते हुए प्रारंभ में. उनके पाठों पर विडियो बना कर YOUTUBE में प्रसारित किये गए. ताकि वो अपने संसाधन के उपलब्ध होने पर अध्यन कर सकें|

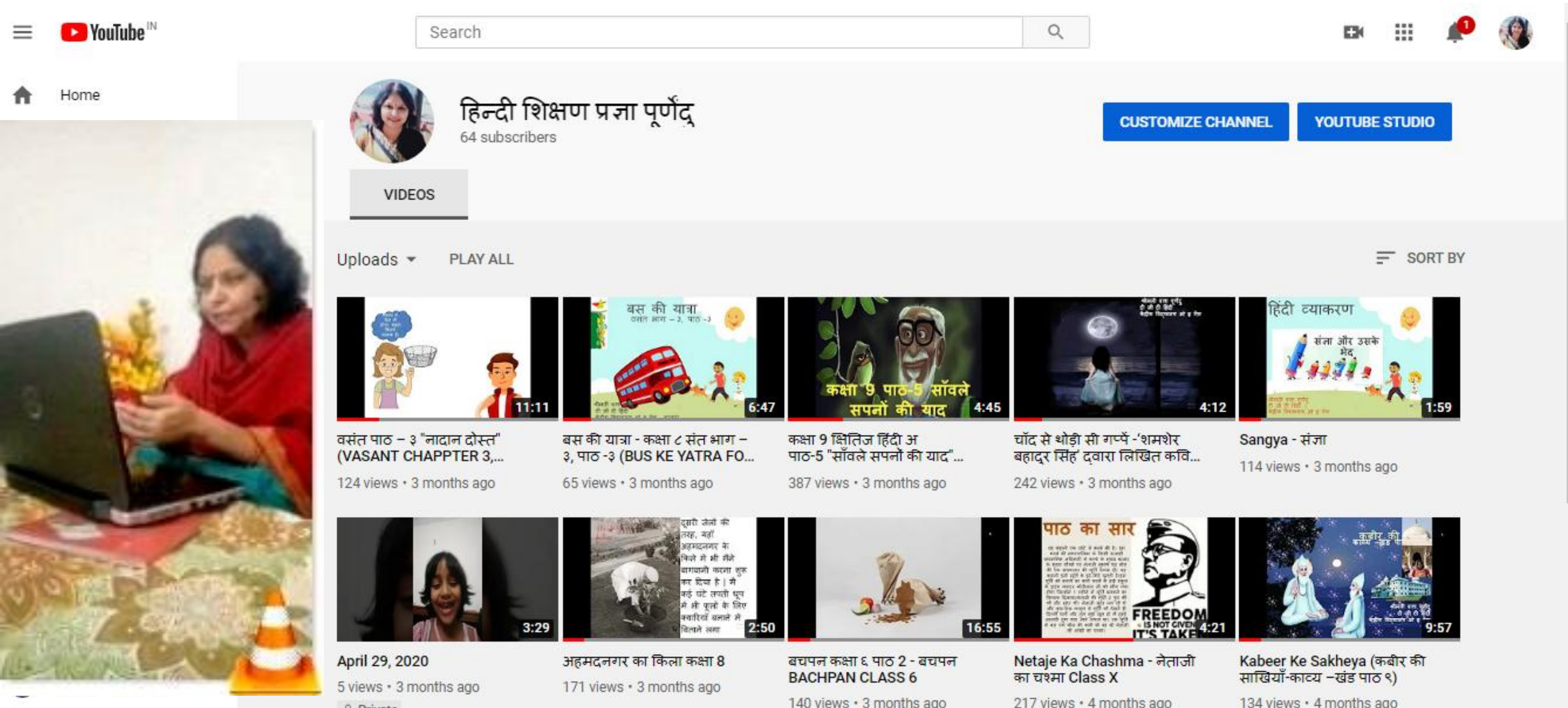
YouTube IN
Search
Home
CUSTOMIZE CHANNEL
YOUTUBE STUDIO
VIDEOS
Uploads
PLAY ALL
SORT BY
11:11
6:47
4:45
4:12
1:59
3:29
2:50
16:55
4:21
9:57

हिन्दी शिक्षण प्रज्ञा पूर्णेंदु
64 subscribers

वसंत पाठ – ३ "नादान दोस्त" (VASANT CHAPPTER 3,...
124 views • 3 months ago

बस की यात्रा - कक्षा ८ संत भाग – ३, पाठ -३ (BUS KE YATRA FO...
65 views • 3 months ago

कक्षा 9 क्षितिज हिंदी अ पाठ-5 "साँवले सपनों की याद"...
387 views • 3 months ago

चॉद से थोड़ी सी गप्पें -'शमशेर बहादुर सिंह' द्वारा लिखित कवि...
242 views • 3 months ago

Sangya - संज्ञा
114 views • 3 months ago

April 29, 2020
5 views • 3 months ago

अहमदनगर का किला कक्षा 8
171 views • 3 months ago

बचपन कक्षा ६ पाठ 2 - बचपन BACHPAN CLASS 6
140 views • 3 months ago

Netaje Ka Chashma - नेताजी का चश्मा Class X
217 views • 4 months ago

Kabeer Ke Sakheya (कबीर की साखियाँ-काव्य –खंड पाठ ९)
134 views • 4 months ago

आभासी शैक्षिक भ्रमण

- पाठों को और रुचिकर बनाने के लिए आभासी शैक्षिक भ्रमण का सहारा लिया गया
- हिंदी के पाठों में आये प्रसिद्ध स्थानों से सम्बंधित चित्र तथा चलचित्र बच्चों को दिखाए गए|

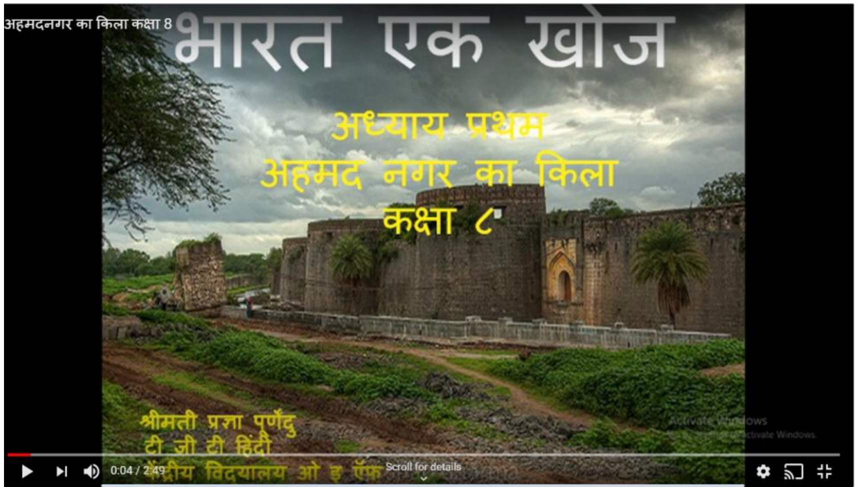
अहमदनगर का किला कक्षा 8
भारत एक खोज
अध्याय प्रथम
अहमद नगर का किला
कक्षा ८
श्रीमती प्रज्ञा पूर्णेंदु
टी जी टी हिंदी
केंद्रीय विद्यालय ओ इ ऍफ़
0:04 / 2:49
Scroll for details

Mathura Vrindavan Class Virtual Tour

लखनऊ संभाग के लिए हिंदी विषय की शैक्षिक सामग्री तैयार की

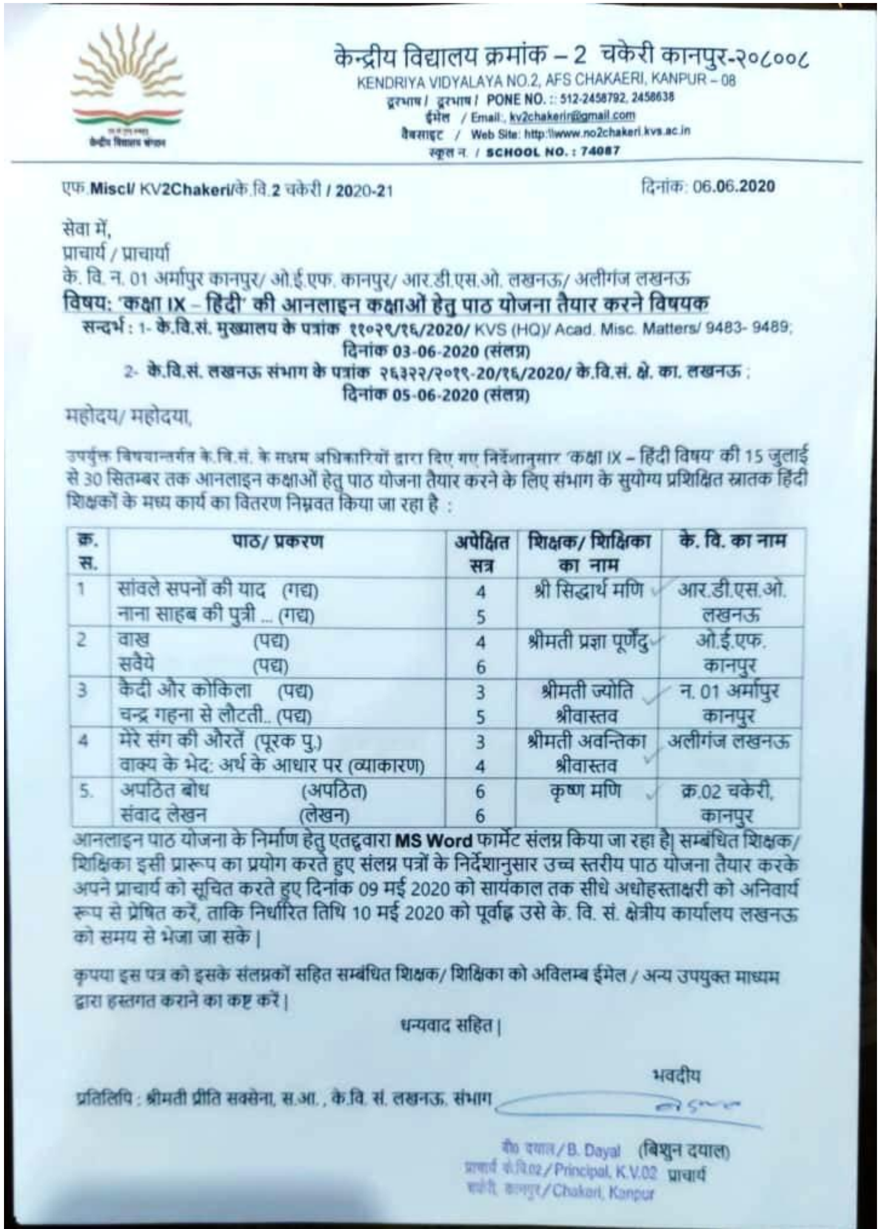

केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक – 2 चकेरी कानपुर-२०८००८
KENDRIYA VIDYALAYA NO.2, AFS CHAKAERI, KANPUR – 08
दूरभाष / दूरभाष / PONE NO. :: 512-2458792, 2458638
ईमेल / Email.: kv2chakerir@gmail.com
वैबसाइट / Web Site: http:\\www.no2chakeri.kvs.ac.in
स्कूल न. / SCHOOL NO. : 74087

एफ.Miscl/ KV2Chakeri/के.वि.2 चकेरी / 2020-21 दिनांक: 06.06.2020

सेवा में,
प्राचार्य / प्राचार्या
के. वि. न. 01 अर्मापुर कानपुर/ ओ.ई.एफ. कानपुर/ आर.डी.एस.ओ. लखनऊ/ अलीगंज लखनऊ

विषय: 'कक्षा IX – हिंदी' की आनलाइन कक्षाओं हेतु पाठ योजना तैयार करने विषयक

सन्दर्भ : 1- के.वि.सं. मुख्यालय के पत्रांक ११०२९/१६/2020/ KVS (HQ)/ Acad. Misc. Matters/ 9483- 9489;
दिनांक 03-06-2020 (संलग्न)
2- के.वि.सं. लखनऊ संभाग के पत्रांक २६३२२/२०१९-20/१६/2020/ के.वि.सं. क्षे. का. लखनऊ ;
दिनांक 05-06-2020 (संलग्न)

महोदय/ महोदया,

उपर्युक्त विषयान्तर्गत के.वि.सं. के सक्षम अधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशानुसार 'कक्षा IX – हिंदी विषय' की 15 जुलाई से 30 सितम्बर तक आनलाइन कक्षाओं हेतु पाठ योजना तैयार करने के लिए संभाग के सुयोग्य प्रशिक्षित स्नातक हिंदी शिक्षकों के मध्य कार्य का वितरण निम्नवत किया जा रहा है :

क्र. स.	पाठ/ प्रकरण	अपेक्षित सत्र	शिक्षक/ शिक्षिका का नाम	के. वि. का नाम
1	सांवले सपनों की याद (गद्य) नाना साहब की पुत्री ... (गद्य)	4 5	श्री सिद्धार्थ मणि ✓	आर.डी.एस.ओ. लखनऊ
2	वाख (पद्य) सवैये (पद्य)	4 6	श्रीमती प्रज्ञा पूर्णेंदु ✓	ओ.ई.एफ. कानपुर
3	कैदी और कोकिला (पद्य) चन्द्र गहना से लौटती.. (पद्य)	3 5	श्रीमती ज्योति श्रीवास्तव ✓	न. 01 अर्मापुर कानपुर
4	मेरे संग की औरतें (पूरक पु.) वाक्य के भेद: अर्थ के आधार पर (व्याकरण)	3 4	श्रीमती अवन्तिका श्रीवास्तव ✓	अलीगंज लखनऊ
5.	अपठित बोध (अपठित) संवाद लेखन (लेखन)	6 6	कृष्ण मणि ✓	क्र.02 चकेरी, कानपुर

आनलाइन पाठ योजना के निर्माण हेतु एतद्द्वारा **MS Word** फार्मेट संलग्न किया जा रहा है| सम्बंधित शिक्षक/ शिक्षिका इसी प्रारूप का प्रयोग करते हुए संलग्न पत्रों के निर्देशानुसार उच्च स्तरीय पाठ योजना तैयार करके अपने प्राचार्य को सूचित करते हुए दिनांक 09 मई 2020 को सायंकाल तक सीधे अधोहस्ताक्षरी को अनिवार्य रूप से प्रेषित करें, ताकि निर्धारित तिथि 10 मई 2020 को पूर्वाह्न उसे के. वि. सं. क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ को समय से भेजा जा सके |

कृपया इस पत्र को इसके संलग्नकों सहित सम्बंधित शिक्षक/ शिक्षिका को अविलम्ब ईमेल / अन्य उपयुक्त माध्यम द्वारा हस्तगत कराने का कष्ट करें |

धन्यवाद सहित |

भवदीय

प्रतिलिपि : श्रीमती प्रीति सक्सेना, स.आ., के.वि. सं. लखनऊ. संभाग

बी॰ दयाल/B. Dayal (बिशुन दयाल)
प्राचार्य के.वि.02/Principal, K.V.02 प्राचार्य
चकेरी, कानपुर/Chakeri, Kanpur

Microsoft Office Word Document

Microsoft Office Word Document

गूगल फॉर्म द्वारा बच्चों की कक्षा परीक्षा ली गयी |

- Google Form द्वारा छोटी छोटी कक्षा परीक्षा समय समय पर ली जाती रही हैं|

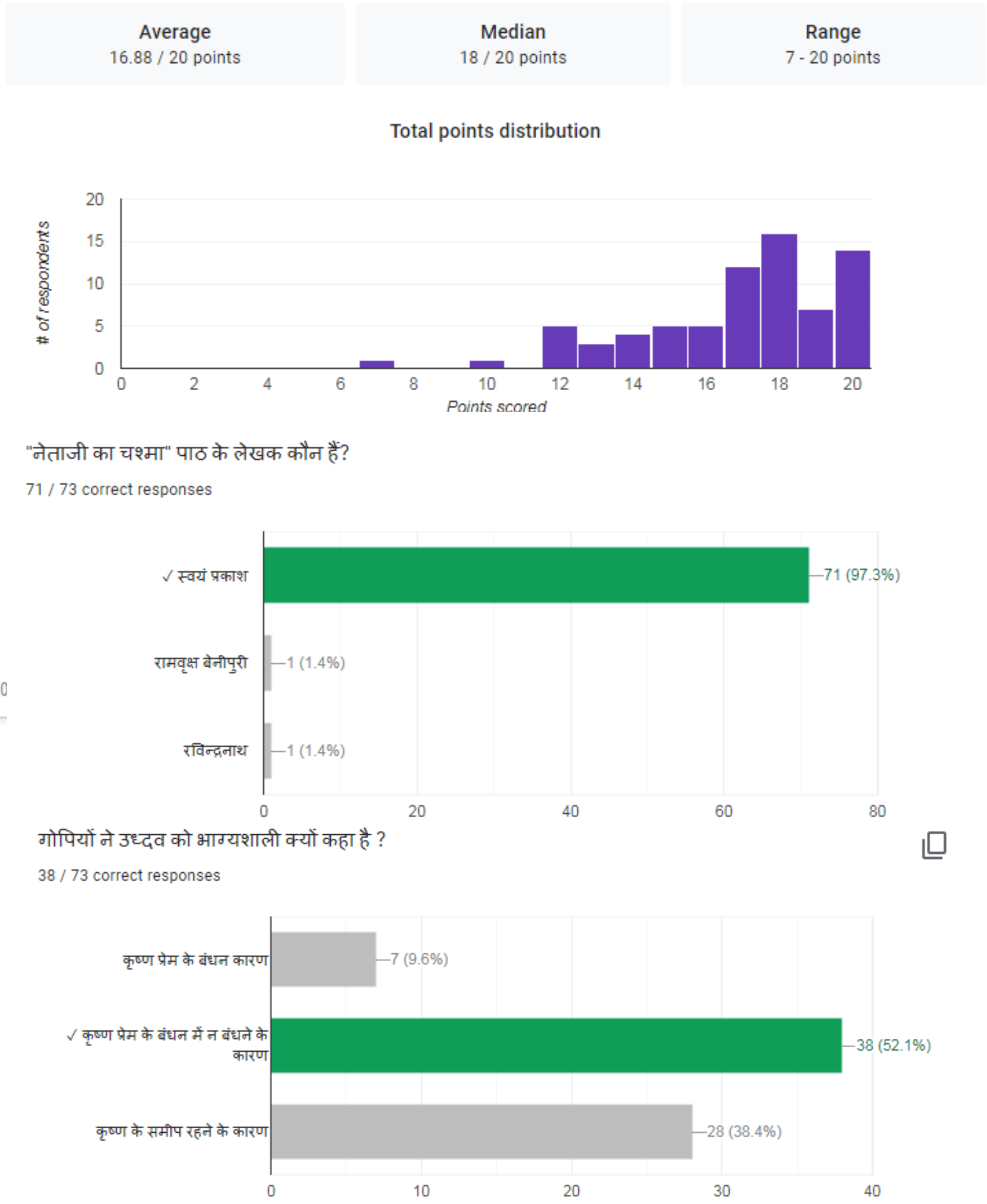

Average
16.88 / 20 points

Median
18 / 20 points

Range
7 - 20 points

Total points distribution

# of respondents
20
15
10
5
0
0
2
4
6
8
10
12
14
16
18
20
Points scored

"नेताजी का चश्मा" पाठ के लेखक कौन हैं?

71 / 73 correct responses

✓ स्वयं प्रकाश — 71 (97.3%)
रामवृक्ष बेनीपुरी — 1 (1.4%)
रविन्द्रनाथ — 1 (1.4%)

0
20
40
60
80

गोपियों ने उध्दव को भाग्यशाली क्यों कहा है ?

38 / 73 correct responses

कृष्ण प्रेम के बंधन कारण — 7 (9.6%)
✓ कृष्ण प्रेम के बंधन में न बंधने के कारण — 38 (52.1%)
कृष्ण के समीप रहने के कारण — 28 (38.4%)

0
10
20
30
40

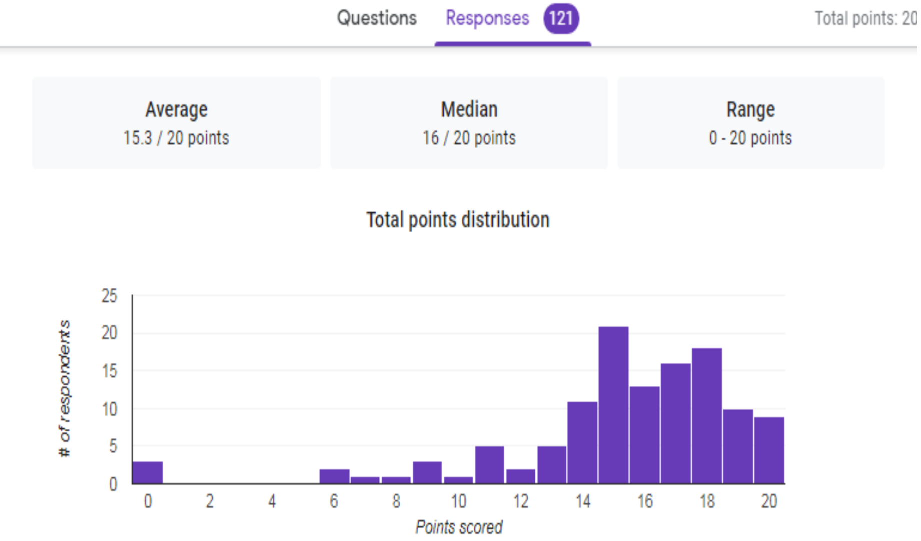

Questions
Responses 121
Total points: 20

Average
15.3 / 20 points

Median
16 / 20 points

Range
0 - 20 points

Total points distribution

# of respondents
25
20
15
10
5
0
0
2
4
6
8
10
12
14
16
18
20
Points scored

ऑनलाइन खेल-खेल में सीखें

छोटे छोटे मनोरंजक खेल बच्चों से साझा किये गए जिससे उनका मनोरंजन तो हुआ ही साथ ही साथ हिंदी भाषा को सिखने में मदद मिली

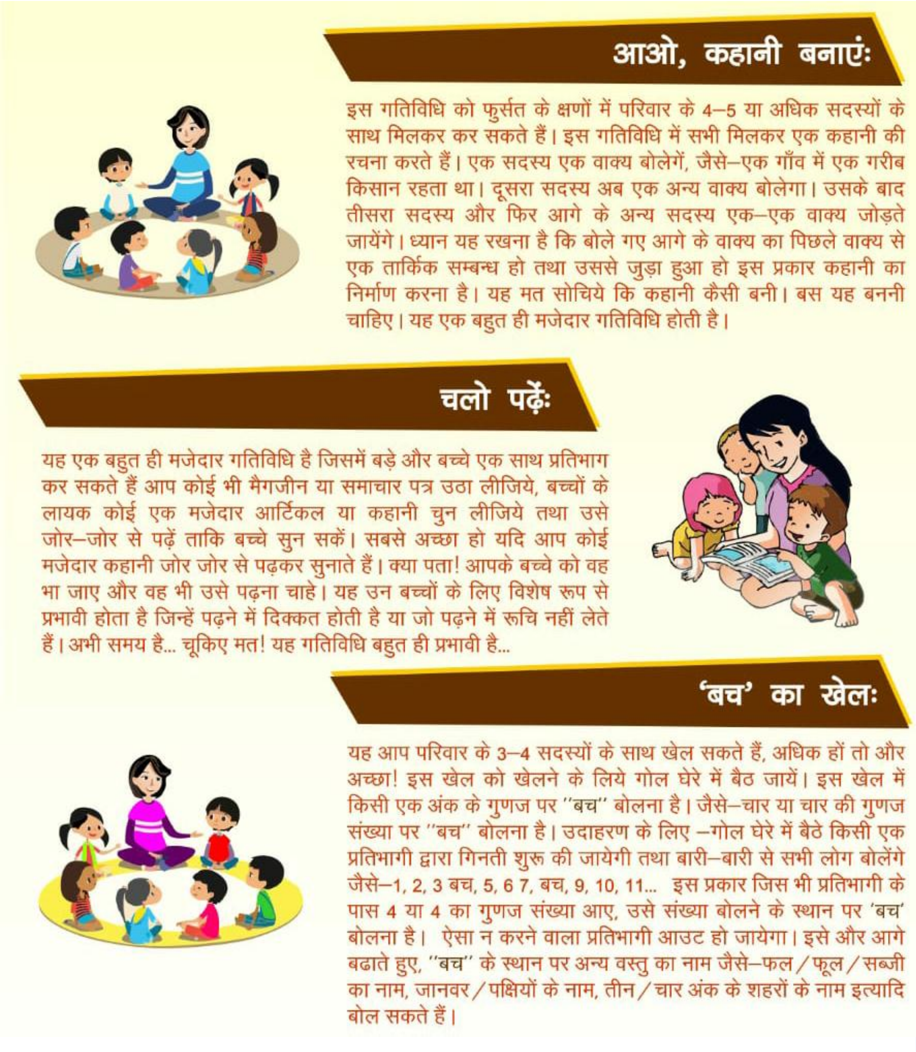

आओ, कहानी बनाएंः

इस गतिविधि को फुर्सत के क्षणों में परिवार के 4–5 या अधिक सदस्यों के साथ मिलकर कर सकते हैं। इस गतिविधि में सभी मिलकर एक कहानी की रचना करते हैं। एक सदस्य एक वाक्य बोलेगें, जैसे–एक गाँव में एक गरीब किसान रहता था। दूसरा सदस्य अब एक अन्य वाक्य बोलेगा। उसके बाद तीसरा सदस्य और फिर आगे के अन्य सदस्य एक–एक वाक्य जोड़ते जायेंगे। ध्यान यह रखना है कि बोले गए आगे के वाक्य का पिछले वाक्य से एक तार्किक सम्बन्ध हो तथा उससे जुड़ा हुआ हो इस प्रकार कहानी का निर्माण करना है। यह मत सोचिये कि कहानी कैसी बनी। बस यह बननी चाहिए। यह एक बहुत ही मजेदार गतिविधि होती है।

चलो पढ़ेंः

यह एक बहुत ही मजेदार गतिविधि है जिसमें बड़े और बच्चे एक साथ प्रतिभाग कर सकते हैं आप कोई भी मैगजीन या समाचार पत्र उठा लीजिये, बच्चों के लायक कोई एक मजेदार आर्टिकल या कहानी चुन लीजिये तथा उसे जोर–जोर से पढ़ें ताकि बच्चे सुन सकें। सबसे अच्छा हो यदि आप कोई मजेदार कहानी जोर जोर से पढ़कर सुनाते हैं। क्या पता! आपके बच्चे को वह भा जाए और वह भी उसे पढ़ना चाहे। यह उन बच्चों के लिए विशेष रूप से प्रभावी होता है जिन्हें पढ़ने में दिक्कत होती है या जो पढ़ने में रूचि नहीं लेते हैं। अभी समय है... चूकिए मत! यह गतिविधि बहुत ही प्रभावी है...

'बच' का खेलः

यह आप परिवार के 3–4 सदस्यों के साथ खेल सकते हैं, अधिक हों तो और अच्छा! इस खेल को खेलने के लिये गोल घेरे में बैठ जायें। इस खेल में किसी एक अंक के गुणज पर ''बच'' बोलना है। जैसे–चार या चार की गुणज संख्या पर ''बच'' बोलना है। उदाहरण के लिए –गोल घेरे में बैठे किसी एक प्रतिभागी द्वारा गिनती शुरू की जायेगी तथा बारी–बारी से सभी लोग बोलेंगे जैसे–1, 2, 3 बच, 5, 6 7, बच, 9, 10, 11... इस प्रकार जिस भी प्रतिभागी के पास 4 या 4 का गुणज संख्या आए, उसे संख्या बोलने के स्थान पर 'बच' बोलना है। ऐसा न करने वाला प्रतिभागी आउट हो जायेगा। इसे और आगे बढाते हुए, ''बच'' के स्थान पर अन्य वस्तु का नाम जैसे–फल/फूल/सब्जी का नाम, जानवर/पक्षियों के नाम, तीन/चार अंक के शहरों के नाम इत्यादि बोल सकते हैं।

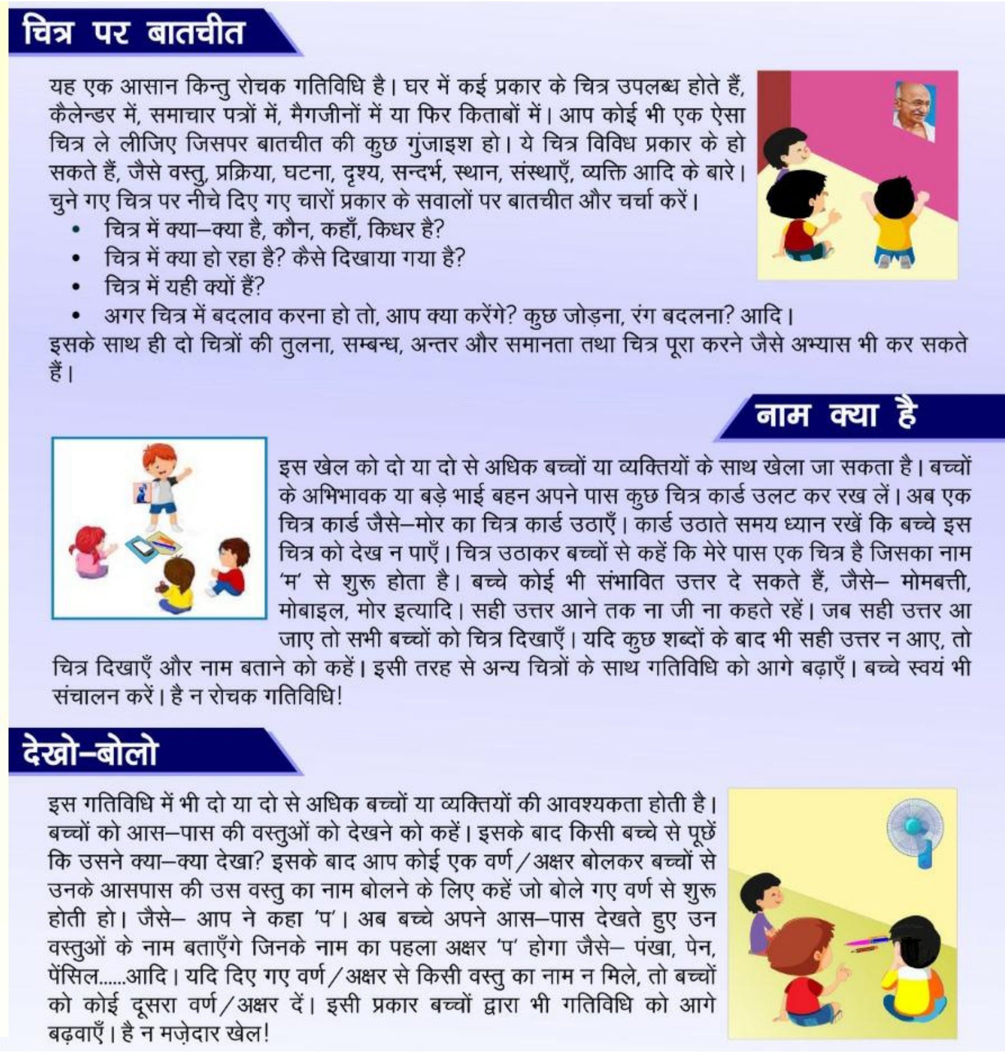

चित्र पर बातचीत

यह एक आसान किन्तु रोचक गतिविधि है। घर में कई प्रकार के चित्र उपलब्ध होते हैं, कैलेन्डर में, समाचार पत्रों में, मैगजीनों में या फिर किताबों में। आप कोई भी एक ऐसा चित्र ले लीजिए जिसपर बातचीत की कुछ गुंजाइश हो। ये चित्र विविध प्रकार के हो सकते हैं, जैसे वस्तु, प्रक्रिया, घटना, दृश्य, सन्दर्भ, स्थान, संस्थाएँ, व्यक्ति आदि के बारे। चुने गए चित्र पर नीचे दिए गए चारों प्रकार के सवालों पर बातचीत और चर्चा करें।

- चित्र में क्या–क्या है, कौन, कहाँ, किधर है?
- चित्र में क्या हो रहा है? कैसे दिखाया गया है?
- चित्र में यही क्यों हैं?
- अगर चित्र में बदलाव करना हो तो, आप क्या करेंगे? कुछ जोड़ना, रंग बदलना? आदि।

इसके साथ ही दो चित्रों की तुलना, सम्बन्ध, अन्तर और समानता तथा चित्र पूरा करने जैसे अभ्यास भी कर सकते हैं।

नाम क्या है

इस खेल को दो या दो से अधिक बच्चों या व्यक्तियों के साथ खेला जा सकता है। बच्चों के अभिभावक या बड़े भाई बहन अपने पास कुछ चित्र कार्ड उलट कर रख लें। अब एक चित्र कार्ड जैसे–मोर का चित्र कार्ड उठाएँ। कार्ड उठाते समय ध्यान रखें कि बच्चे इस चित्र को देख न पाएँ। चित्र उठाकर बच्चों से कहें कि मेरे पास एक चित्र है जिसका नाम 'म' से शुरू होता है। बच्चे कोई भी संभावित उत्तर दे सकते हैं, जैसे– मोमबत्ती, मोबाइल, मोर इत्यादि। सही उत्तर आने तक ना जी ना कहते रहें। जब सही उत्तर आ जाए तो सभी बच्चों को चित्र दिखाएँ। यदि कुछ शब्दों के बाद भी सही उत्तर न आए, तो चित्र दिखाएँ और नाम बताने को कहें। इसी तरह से अन्य चित्रों के साथ गतिविधि को आगे बढ़ाएँ। बच्चे स्वयं भी संचालन करें। है न रोचक गतिविधि!

देखो–बोलो

इस गतिविधि में भी दो या दो से अधिक बच्चों या व्यक्तियों की आवश्यकता होती है। बच्चों को आस–पास की वस्तुओं को देखने को कहें। इसके बाद किसी बच्चे से पूछें कि उसने क्या–क्या देखा? इसके बाद आप कोई एक वर्ण/अक्षर बोलकर बच्चों से उनके आसपास की उस वस्तु का नाम बोलने के लिए कहें जो बोले गए वर्ण से शुरू होती हो। जैसे– आप ने कहा 'प'। अब बच्चे अपने आस–पास देखते हुए उन वस्तुओं के नाम बताएँगे जिनके नाम का पहला अक्षर 'प' होगा जैसे– पंखा, पेन, पेंसिल......आदि। यदि दिए गए वर्ण/अक्षर से किसी वस्तु का नाम न मिले, तो बच्चों को कोई दूसरा वर्ण/अक्षर दें। इसी प्रकार बच्चों द्वारा भी गतिविधि को आगे बढ़वाएँ। है न मज़ेदार खेल!

पाठ्येत्तर क्रिया कलाप

- बच्चों को अध्ययन के अतिरिक्त अन्य क्रिया कलापों को करने के लिए भी प्रेरित किया गया|

वृक्षारोपण

योग.

INTERNATIONAL DAY OF YOGA
21 JUNE

हिंदी ऑनलाइन शिक्षण में छात्रों की रूचि का सर्वेक्षण

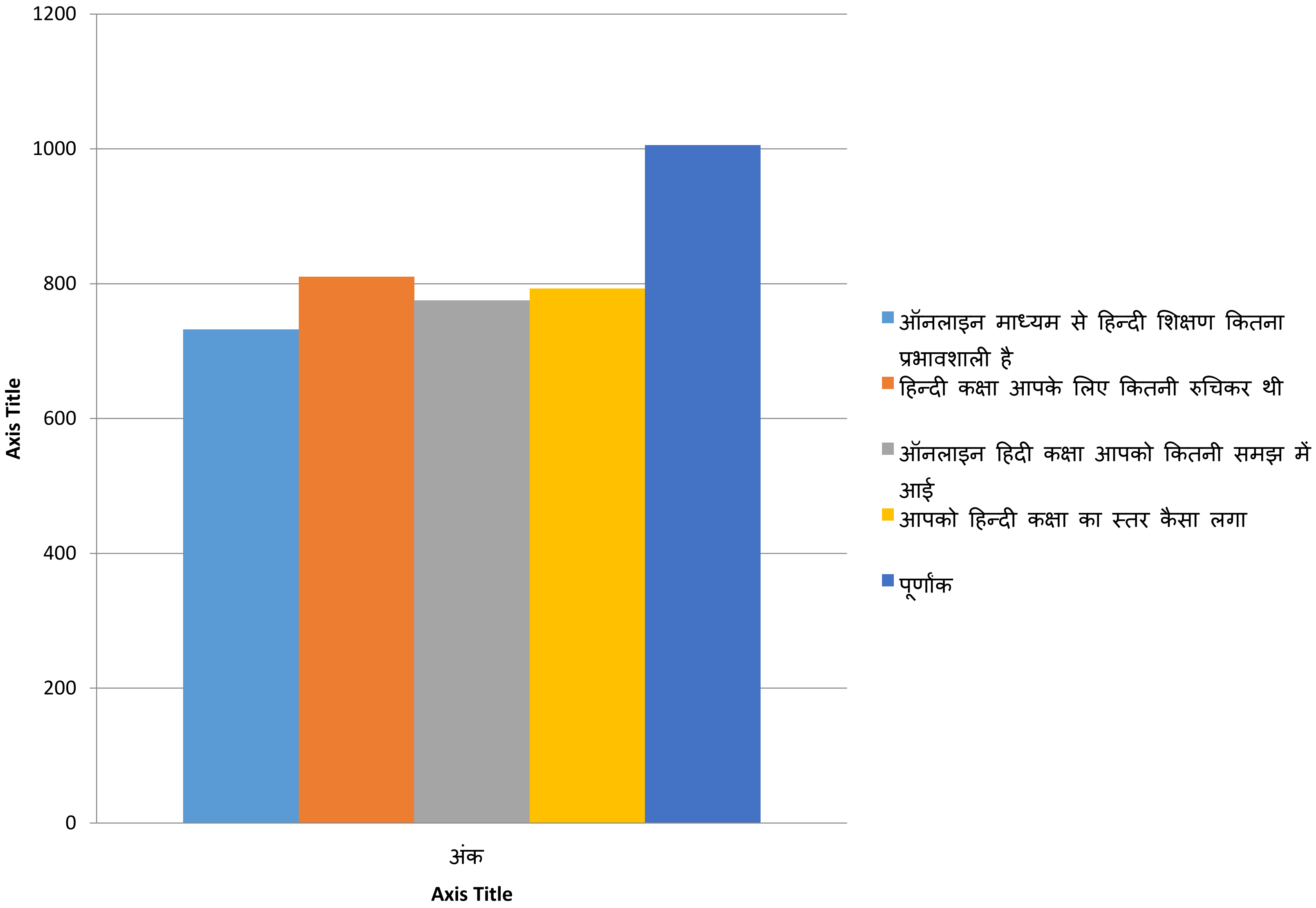

धन्यवाद्

प्रज्ञा पूर्णेंदु

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका – हिंदी

केंद्रीय विद्यालय ओ. ई. ऍफ़. कानपुर- उ.प्र.